## न्यूज डायरी

### कॉलेज में आग और पेट्रोल साथ रहेंगे तो बलात्कार होंगेः मौलाना

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बढ़ते बलात्कार की घटनाओं के बाद इमरान खान सरकार पर सख्त कानून लाने का दबाव बढ़ता जा रहा है। कुछ दिनों पहले लाहौर में एक फ्रांसीसी महिला के साथ हुई गैंगरेप की घटना के बाद पूरे पाकिस्तान में बड़ी संख्या में महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। वहीं, पाकिस्तानी मौलाना बलात्कार की बढ़ती घटनाओं के लिए लड़के–लड़कियों के साथ में पढ़ाई (को–एजुकेशन) को जिम्मेदार बता रहे हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के चहेते मौलाना तारिक जमील ने भी लड़के–लड़कियों के साथ में पढ़ाई को बलात्कार का असली कारण बताया है। उन्होंने कहा कि अगर आग और पेट्रोल एक साथ रहेंगे तो बलात्कार तो होते रहेंगे। कॉलेजों में लड़के–लड़कियां इकट्ठे पढ़ते हैं। जब पेट्रोल और आग इकट्ठा होगा तो फिर आग न लगे यह कैसे होगा। को–एजुकेशन ने बेहयाई को प्रमोट किया है। इसमें कोई शक नहीं है। मैं खुद कॉलेज लाइफ गुजार के अल्लाह के रास्ते की तरफ आया।

### अप्रैल 2021 तक उपलब्ध होगी पर्याप्त कोरोना वैक्सीन

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वॉशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना वायरस के खिलाफ विकसित की जा रही वैक्सीन की उपलब्धता के प्रति दिन–ब–दिन विश्वास बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अप्रैल 2021 तक हर अमेरिकी के लिए कोरोना के टीके की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने शुक्रवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, जैसे ही टीके को मान्यता मिलती है, सरकार इसे तुरंत अमेरिकियों को उपलब्ध करवा देगी.. हर महीने करोड़ों डोज उपलब्ध होंगे और हमें उम्मीद है कि अप्रैल 2021 तक हरेक अमेरिकी के लिए पर्याप्त वैक्सीन उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के मेधावी डॉक्टर और वैज्ञानिक कोविड–19 वैक्सीन तैयार करने में चौबीसों घंटे लगे हैं। उन्होंने बताया कि तीन वैक्सीन क्लिनिकल ट्रायल के आखिरी चरण में हैं। उन्होंने कहा, सभी वैक्सीन कैंडिडेट्स क्लिनिकल ट्रायल्स के गोल्ड स्टैंडर्ड से गुजर रहे हैं।

### सिंधु जल समझौते को आज 60 साल पूरे

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** इस्लामाबाद। सिंधु नदी जल बटवारें को लेकर हुए समझौते को आज 60 साल पूरे हो गए हैं। 19 सितंबर 1960 को हुए इस समझौते में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक ने मध्यस्थता की भूमिका निभाई थी। इस समझौते को दुनिया में अक्सर शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की संभावनाओं के उदाहरण के रूप में पेश किया जाता है। हालांकि, यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि सिंधु जल समझौते को लेकर भारत और पाकिस्तान के संबंध कई बार खराब भी हुए हैं। अगस्त शुरुआत में ही विश्व बैंक ने पाकिस्तान को तगड़ा झटका देते हुए इस विवाद में मध्यस्थता करने से इनकार कर दिया था। वर्ल्ड बैंक ने पाकिस्तान को दो टूक लहजे में कहा था कि दोनों देशों को किसी तटस्थ विशेषज्ञ या न्यायालय मध्यस्थता की नियुक्ति पर विचार करना चाहिए। इस विवाद में हम कुछ नहीं कर सकते हैं।

### जापान के पूर्व प्रधानमंत्री आबे तोक्यो के विवादित स्मारक गए

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने कहा कि वे शनिवार को 'यासूकूनी स्मारक' गए थे। यह ऐसा स्थान है जिसे पड़ोसी मुल्क चीन और दक्षिण तथा उत्तर कोरिया युद्धकाल की आक्रामकता का प्रतीक मानते हैं। आबे ने ट्वीट करके यह जानकारी दी। हाल ही में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले आबे की सात वर्ष में यहां कि यह पहली यात्रा है। उन्होंने कहा कि वह शनिवार को स्मारक गए और ''युद्ध में मारे गए लोगों को याद किया।'' चीन इसे विवादित मानता है क्योंकि यह द्वितीय विश्वयुद्ध में मारे गए लाखों जापानियों सहित युद्धअपराध के दोषी ठहराए गए लोगों के सम्मान का प्रतीक है। माना जा रहा है कि चीन और दक्षिण तथा उत्तर कोरिया इस यात्रा पर कड़ी आपत्ति जताएंगे।

# ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों को बताया ठगों की टोली

**जुबानी जंग**

## हिंसक प्रदर्शन में उन्होंने गांधी प्रतिमा को भी नहीं छोड़ा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

वॉशिंगटन। अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर जुबानी जंग तेज हो गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिनिसोटा में चुनाव प्रचार के दौरान ब्लैक लाइव्स मैटर से जुड़े प्रदर्शनकारियों को ठगों की टोली करार दिया। ट्रंप ने कहा कि हिंसक प्रदर्शन में उन्होंने वॉशिंगटन में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा को भी गिरा दिया था। ट्रंप ने अपने प्रतिद्वंदी जो बाइडेन पर हमला करते हुए कहा कि अगर वह चुनाव जीते तो मिनिसोटा रिफ्यूजी कैंप बनकर रह जाएगा।

**उपद्रवियों ने कई प्रतिमाओं को बनाया निशानाः** मिनीसोटा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि आप जानते हैं, उन्होंने अब्राहम लिंकन की प्रतिमा को निशाना बनाया। जब उन्होंने लिंकन की प्रतिमा को निशाना बनाया तो मैंने कहा, एक मिनट रुको, यह वह व्यक्ति है और आप ऐसा कर रहे हैं, तब उन्होंने जॉर्ज वाशिंगटन, थॉमस जेफरसन और सभी को निशाना बनाना शुरू किया। इस क्षेत्र से ट्रंप 2016 में मिनिसोटा में 44 हजार मतों से हार गए थे।

**शरारती तत्वों ने गांधी प्रतिमा को भी नहीं छोड़ाः** राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा का जिक्र किया जिसे अज्ञात शरारती तत्वों ने राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के दौरान निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि उनके पास गांधी भी थे। गांधी बस एक ही चीज चाहते हैं,वह है शांति। सही? हमारे पास शांति हैं, और उनकी प्रतिमा गिरा दी गई। हम उन्हें पसंद नहीं करते हैं मुझे नहीं लगता कि उन्हें एहसास होगा कि वे क्या कर रहे हैं। बता दें कि गांधीजी की प्रतिमा को भारतीय दूतावास ने नेशनल पार्क पुलिस और अमेरिकी विदेश मंत्रालय की मदद से फिर से स्थापित कर दिया गया है।

**ठगों की टोली हैं ये प्रदर्शनकारी** उन्होंने आगे कहा कि मैं मानता हूं कि यह महज कुछ ठगों की टोली थी। आप सच जानना चाहते हैं। मैं मानता हूं यह ठगों की टोली थी। राष्ट्रपति ने इस जनसभा में उपस्थित लोगों से कहा कि उन्होंने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें ऐसे शरारती तत्वों के लिए 10 साल की कैद का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अब कोई प्रतिमाओं को गिराने की बात तक नहीं करता है। भारतीय दूतावास ने नेशनल पार्क पुलिस और अमेरिकी विदेश मंत्रालय की मदद से प्रतिमा पुनरू स्थापित कर दी है।

**जॉर्ज फ्लह्यर्ड की मौत के बाद शुरू हुए थे प्रदर्शनः** गौरतलब है कि 25 मई को मिनियापोलिस में पुलिकर्मी डेरेक चाउविन ने 46 वर्षीय जॉर्ज फ्लॉयड को हथकड़ी लगा कर जमीन पर गिरा दिया था और उसके गले को घुटने से करीब आठ मिनट तक दबाए रखा जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पूरे देश में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए। इस क्रम में पूरे देश में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की भी कुछ घटनाएं हुईं।

## अमेरिका–चीन में जंग का खतरा रूस भी भेज रहा अपनी सेना

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

मॉस्को। अमेरिका और चीन में बढ़ती तनातनी के बीच रूस ने भी सैनिकों की तैनाती को बढ़ाने का ऐलान किया है। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने गुरुवार को कहा कि रूस क्षेत्र में बढ़ते तनाव के जवाब में सुदूर पूर्व में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है। माना जा रहा है कि पूर्वी चीन सागर में स्थित रूस के नेवल बेस व्लादिवोस्तोक पर रूसी सेना की उपस्थिति और बढ़ेगी। इस बेस के जरिए रूस प्रशांत महासागर, पूर्वी चीन सागर, फिलीपीन की खाड़ी के क्षेत्रों में अपनी सैन्य गतिविधियों को अंजाम देता है।

रूसी रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, सर्गेई शोइगू ने कहा कि पूर्वी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के कारण सैनिकों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। हालांकि उन्होंने अपने बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि नए खतरें क्या हैं और पूर्व में इन सैनिकों को कहां तैनात किया जाएगा। लेकिन, विशेषज्ञों ने कहा है कि चीन से लगी सीमा और प्रशांत महासागर क्षेत्र में बढ़ते तनाव से रूस चिंतित है। इसलिए वह अपने हितों की सुरक्षा के लिए सैनिकों की उपस्थिति को बढ़ा रहा है। मॉस्को के कार्नेगी सेंटर के विश्लेषक अलेक्जेंडर गब्यूव ने कहा कि रूस यह सुनिश्चित करना चाहता है कि टकराव शुरू होने वाले क्षेत्र में उसके पास पर्याप्त सैन्य क्षमताएं हों।

### रूस को मात देने के लिए अमेरिका ने भेजी फौज

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** दमिश्क। सीरिया में रूस की बढ़ती ताकत को कम करने के लिए अमेरिका ने अतिरिक्त फोर्स और हथियारों की तैनाती की है। बताया जा रहा है कि सीरिया में तैनात रूसी सैनिक अमेरिकी सैनिकों को जानबूझकर निशाना बना रहे हैं। जिसके बाद अमेरिका ने अपनी फौज और हथियारों को बढ़ाने का फैसला किया। कुछ दिन पहले ही रूसी सेना की गाड़ी से हुए एक्सीडेंट में अमेरिका के चार जवान घायल हो गए थे। सीरिया में आईएसआईएस के खात्मे के बाद से अमेरिका ने अपने ज्यादातर सैनिकों को वापस बुला लिया था। उसके कुछ ही सैनिक वहां पर ताजा हालात की जानकारी रखने के लिए तैनात थे। इस बीच सीरिया में रूस ने अपनी सैन्य ताकत को जबरदस्त तरीके से बढ़ाया है।

## लद्दाख बॉर्डर पर पंजाबी गाने क्यों बजा रहा चीन? छिपी हुई है कुटिल रणनीति

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

पेइचिंग। लद्दाख में भारत और चीन के बीच जारी तनाव अभी कम होता नजर नहीं आ रहा है। दोनों ही तरफ की सेना आने वाली सर्दियों के लिए जरूरी संसाधनों को जुटा रही हैं। इस बीच चीन बॉर्डर से लगे इलाकों में बड़ी संख्या में लाउडस्पीकर्स के जरिए पंजाबी गानों को बजा रहा है। दरअसल चीन की यह चाल उसकी हजारों साल पुरानी एक युद्धक रणनीति का हिस्सा हैं। इसके जरिए वे भारत की भाषा और संस्कृति की समझ दिखाने की कोशिश कर रहा है। हाल में ही चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स में

### गाइक्सिया की लड़ाई में हुआ था इसका उपयोग

प्रकाशित एक खबर में बताया गया था कि 202 बीसी में हुए गाइक्सिया की निर्णायक लड़ाई में एक पक्ष ने दूसरे से जुड़े गानों को बजाना शुरू किया था। इससे विरोधी पक्ष के सैनिक यह मानने पर मजबूर हो गए कि इन्हें हमारी संस्कृति और भाषा की अच्छी समझ है और ये हमारे दुश्मन नहीं है।

**इसी युद्ध से चीन में हुई हान राजवंश की स्थापनाः** गाइक्सिया की लड़ाई लियू बैंग और जियांग यू की चू सेना के बीच लड़ी गई थी। इसी युद्ध में मिली जीत के बाद लियू बैंग ने खुद को चीन का सम्राट घोषित किया और हान राजवंश की स्थापना की थी। जियांग यू के साथ हुए युद्ध में लियू बैंग ने गीत को अपना प्रमुख हथियार बनाया था। उसने जियांग यू के कुछ सैनिकों को पकड़कर चारों तरफ से चू गीत को गाने का आदेश दिया। इससे जियांग यू की सेना एकदम से डर गई और हार मानकर पीछे लौट गई।

**चीन के ऑर्ट ऑफ वार में भी इसका उल्लेखः** गानों के जरिए चीन अपनी हजारों साल पुरानी रणनीति पर काम कर रहा है। चीनी सेना के सैन्ध्य रणनीतिकार सुन जू ने छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व में अपनी बहुचर्चित किताब श्आर्ट ऑफ वॉरश में लिखा है कि सबसे अच्छा युद्ध कौशल वह होता है जो बिना लड़े ही जीत लिया जाए।

## भारत ही नहीं, ताइवान को भी जंग की धमकी दे रही चीनी मीडिया

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** पेइचिंग। चीन की सरकारी मीडिया केवल भारत को ही नहीं, बल्कि ताइवान और अमेरिका को भी खुले तौर पर जंग की धमकी दे रही है। एक दिन पहले ही चीनी सेना के ईस्टर्न थिएटर कमांड ने ताइवान के तट पर सैन्य अभ्यास शुरू किया है। चीन और ताइवान के संबंध हाल के दिनों में सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। अमेरिकी उप विदेश मंत्री कीथ क्रैच की गुरुवार को ताइवान पहुंचने से चीन और भड़का हुआ है। शुक्रवार को ही चीन के 16 फाइटर जेट्स ने एक साथ ताइवानी सीमा में घुसपैठ की थी। चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि चीनी सेना के विमान चारों दिशाओं से ताइवान में घुस रहे हैं। हमारे देखने से चीन की कार्रवाई अभी संयमित है। हर बार अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारी ताइवान का दौरा कर रहे हैं। यह चीन की वन चाइना पॉलिसी की खिलाफत है। अखबार ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए लिखा कि उसे आग से खेलना बंद कर देना चाहिए। जिनपिंग की पिट्ठू मीडिया ने धमकी देते हुए कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री या रक्षा सचिव ताइवान आते हैं तो चीन के फाइटर जेट उस द्वीप के ऊपर से उड़ान भरेंगे।